बी.एस.ओ.सी.–102

कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.ए.एस.ओ.एच.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.ओ.सी.–102

भारत का समाजशास्त्र–I

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राश्ट्रीय मुक्त वि"वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2020-2021

कार्यक्रम कोड : बी.ए.एस.ओ.एच.
पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.ओ.सी. – 102

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम.निर्देि ाका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठय क्रम के लिए 3 तथा 4 क्रेडिट पाठय क्रम के लिए 2 ि ाक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं।

इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठयक्रम **बी.एस.ओ.सी.–102 भारत का समाजशास्त्र–I** का ि ाक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है। यह पाठय क्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 ि ाक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य हैं जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य - ए में विस्तारपूर्ण प्र न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निश्कर्श भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विशयवस्तु की ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पश्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य - बी में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्र न है। यहाँ आपकी विशय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे भाब्दों में, यहाँ आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य – सी में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्र न हैं। ये प्र न आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेि ाका के निर्दे ाों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने ि ाक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्र नों के उत्तर अपने भाब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई भाब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्र नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में भाामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निर्दे ाका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2020 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	**30 अप्रैल 2021**	**अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास**
जनवरी 2021 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	**31 अक्टूबर 2021**	

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आ ाा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों में दिये गये सभी प्र नों के उत्तर दिये गये निर्दे ाों के अनुसार देंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन** : प्र नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्र न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन** : अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और वि लेशण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निश्कर्शों पर वि ोश ध्यान दें।

सुनिि चत करें कि आप के उत्तर :

(क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

(ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पश्ट संबंध सूत्र हों, और

(ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, भौली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तरों से स्वयं संतुश्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ.साफ लिखें, जहाँ आव यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई भाब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

शुभकामनाओं के साथ !!!

समाजशास्त्र संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,

इग्नू, नई दिल्ली

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
बी.एस.ओ.सी.-102
भारत का समाजशास्त्र–I

पाठ्यक्रम कोड : **बी.एस.ओ.सी.-102**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.एस.ओ.सी.-102**
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020-2021
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 भाब्दों में दीजिए।

भाग – 'क'

1. इंडोलॉजी से आप क्या समझते हैं? प्रारंभिक समाजशास्त्रियों को इसने कैसे मदद किया है? 20

2. भारत में आदिवासियों के सामाजिक–आर्थिक और राजनैतिक प्रस्थिति का उपर्युक्त उदाहरण के साथ चर्चा कीजिए। 20

भाग – 'ख'

भाग 2 : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में लिखिए।

3. औपनिवेशिक भारत में ब्रिटिश प्रशासकों के योगदान पर चर्चा करें। 10

4. भारत में जाति के अध्ययन के गुणात्मक उपागम की चर्चा कीजिए। 10

5. धर्मनिरपेक्षता की पश्चिमी धारणा भारतीय धारणा से कैसे भिन्न हैं? 10

भाग – 'ग'

भागः 3 प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

6. सबाल्टर्न की अवधारणा 6

7. सामाजक वर्ग की अवधारणा 6

8. लैंगिक और लिंग 6

9. नातेदारी की संकल्पना 6

10. व्यापार संघ 6